बलिया के रामपाल को 14 मेडल

आईआईटी बीएचयू के सातवें दीक्षांत का आकर्षण रहे

मेडल पाने वालों ने मंच पर आकर सबका जताया आभार

मेडल पाने वाली छात्राओं ने कुछ ऐसे व्यक्त की खुशी

सर्वाधिक मेडल जीतने वाले छात्र

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह के मौके पर स्वतंत्रता भवन, युवा जोश से लबरेज रहा। समारोह में इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी के छात्र राम पाल सिंह ने सर्वाधिक चौदह मेडल हासिल जहां अपनी मेधा का परचम लहराया। वहीं जूनियरर्स के लिए एक लकीर खिंच मिसाल कायम की। कक्षाओं के लेक्चर और 2 से चार घंटे की पढ़ायी को पर्याप्त बताया। रामपाल सिंह को बीटेक स्तर पर शैक्षणिक क्षेत्र में संपूर्ण उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेसीडेंट्स स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया। वहीं केमिकल इंजीनियरिंग के मानस सिन्हा और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के अंकुश बंसल ने विभिन्न श्रेणियों में सर्वाधिक सात-सात मेडल प्राप्त कर सफलता के शिखर तक पहुंचे। इसके अतिरिक्त सिविल इंजीनियरिंग से अमन गुप्ता और मैकेनिकल इंजीनियरिंग से ठाकेर पार्थ परेश को सर्वाधिक पांच मेडल मिले। माइनिंग इंजीनियरिंग में सर्वाधिक तीन मेडल आकाश चैरसिया और फार्मास्यूटिकल्स इंजीनियरिंग में सर्वाधिक तीन मेडल जिल्ले अली को मिला। जबकि दो मेडल प्राप्त करने वालों में सिविल से राहुल वर्मा, मैकेनिकल के राहुल चांद, बलजिंदर कुमार बधान, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से शुभम चैधरी और मेटलजींकल इंजीनियरिंग से अनित्य गुप्ता रहे।

दीक्षांत समारोह में स्नातकों को कुल 1191 उपाधियां विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रदान की गई। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ जी. सतीश रेड्डी और निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने छात्र-छात्राओं को मेडल और अवार्ड से सम्मानित किया। पुरस्कार वितरण का संचालन संस्थान के कुलसचिव डॉ एसपी माथुर ने किया।

मेडलिस्ट इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग आईआईटी बीएचयू रामपाल सिंह का कहना है कि सफलता का कोई सार्ट कट नहीं होता है। दो चार घंटे की रोज पढ़ायी और कक्षाओं में नियमित लेक्चर में शामिल होने पर उनको सफलता मिली है। पर निरंतर वह पिता के संपर्क में रहे जो उनके प्रेरणा श्रोत हैं।

आईआईटी बीएचयू का दूसरा डायरेक्टर्स गोल्ड मेडल पाने वाले आमोद कहते हैं, जीवन में सफल होना है तो रिसोर्सेज का भरपूर इस्तेमाल करो। इससे पहले समारोह का शुभारंभ महामना की प्रतिमा पर माल्यापर्ण और कुलगीत के साथ किया गया। दीक्षांत समारोह के आरंभ की घोषणा संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने की और संस्थान की उपलब्धि की आख्या पढ़ी। इस मौके पर दीक्षांत के मुख्य अतिथि रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के चेयरमैन डा.जी सतीश रेड्डी ने मेधावियों को मेडल और उपाधि प्रदान की।

मिला सम्मान

मानस और अंकुश ने 07-07 मेडल, चूमा सफलता का शिखर

दो मेडल पाने वाले छात्र

राहुल वर्मा, अरूण चांद, बलजिंदर कुमार बधान, शुभम चौधरी और अनित्य गुप्ता।

छात्राओं को मिलने वाला अवार्ड

श्रीमती इंदिरा त्रिपाठी गोल्ड मेडल, तान्या मौर्या, श्रेया पांडेय, ईशा अग्रवाल, राशि चंदोला, सृष्टि शुक्ला, ख्वाति राय का नाम शामिल रहा।

इन शिक्षकों की रही उपस्थिति

दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक कार्य केअधिष्ठाता प्रो.एएसके सिन्हा, अनुसंधान एवं विकास के अधिष्ठाता प्रो. राजीव प्रकाश, ज्वाइंट चीफ प्रॉक्टर प्रो.प्रभाकर सिंह, प्रो.पीके मिश्रा, प्रो.आरएस सिंह, प्रो.बी मिश्रा, संस्थान और विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, अधिकारी, छात्र एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

बाएं से पहले मेडल के साथ बलिया के छात्र रामपाल सिंह और अन्य साथी

आईआईटी के मेडल वाले मेधावी

एक स्वर्ण पदक पाने वाले अनुभा जोशी, भावना वमार्नी, शैलेन्द्र कुमार सिंह, शुभि गुप्ता, आकृति मिश्रा, प्रिया कुमारी, जयदीप बनीक मजूमदार, सुचित पांडेय, कृष्ण कांत दूबे, संदीप, गौतम सिंह, जय सिंह, अमिताभ कुमार सिंह, स्मृति गुप्ता, नमन कटाल, अभिनव गुप्ता, मनुज कुमार सिंह, कार्तिकेय गुप्ता, अभिनव डीआरपी, लक्ष्य नरूला, सैय्यद काजिम अब्बास, कार्तिम मनचंदा, असीम गोसाईं, इशिता व्यास, कार्तिका आहूजा, वर्णिता बाजपेयी, आभास शिखर, जूही सिंह, विरेंद्र त्यागी, प्रखर दोरवार, धीरज कुमार महतो, मोहित गुप्ता, रजनीश कुमार। एक मात्र सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाली छात्रा मीनल बेहती ने भी डा.जी सतीश रेड्डी के हाथों मेडल प्राप्त किया।

एक से अधिक मेडल पाने वाले मेधावी

डाइरेक्टर मेडल- अमोद हेगड़े चौदह मेडल - राम पाल सिंह को प्रेसिडेंट्स मेडल एवं एक सिल्वर मेडल अन्य 12 मेडल, सात मेडल पाने वालों में - मानस सिन्हा, अंकुश बंसल, पांच मेडल वालों में - अमन गुप्ता और ठाकेर पार्थ परेश, तीन मेडल पाने वालों में - आकाश चौरसिया और जिल्ले अली आदि।

रक्षा क्षेत्र के शीर्ष 6 देशों में भारत

डा. सतीश रेड्डी

बताया अब डीआरडीओ और आईआईटी बीएचयू साथ काम करेंगे

बताया आईआईटी बीएचयू उत्तर प्रदेश सरकार की डिफेंस कॉरीडोर में नालेज पार्टनर

वाराणसी। यह खुशी की बात होगी कि आईआईटी बीएचयू उत्तर प्रदेश सरकार की डिफेंस कॉरीडोर में नालेज पार्टनर है। यह मौका है जब डीआडीओ और आईआईटी (बीएचयू) साथ मिलकर प्रदेश में रक्षा आधारित ज्यादा से ज्यादा उद्योग सृजित कर सकें। डीआरडीओ ने कई क्षेत्रों में पूरे विश्व में शीर्ष 6 देशों में अपना स्थाना बनाया है और आशा करता है कि और आगे जाएगी। हमने अग्नि 5, ब्रह्मोस, आकाश आदि बनाकर विश्व में अपना स्थान बनाया है। हमने विक्रांत जैसे हल्के टैंक और हल्के वजन के एयर क्राफ्ट बना कर नए आयाम स्थापित किये हैं।

यह बातें चेयरमैन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा सेक्रेटरी डिपार्टमेंट आफ डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट और डायरेक्टर जनरल एरोनाटिकल डेवपलमेंट एजेंसी (एडीए) डा.जी सतीश रेड्डी ने कही। आलौकिक है बीएचयू का परिसरः कहा कि सुबह जब मैं इस अलौकिक परिसर में प्रवेश कर रहा था तो मैं एकदम भिन्न मनः स्थिति में था। मैं सोच रहा था कि यह वही परिसर है जिसकी स्थापना प्रातः स्मरणीय महामना पंडित मदन मोहन मालवीय ने किया है और जहां से निकलने वाले मेधावियों ने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में उत्थान पथ पर ले जाने में सहयोग किया है। यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है कि मैं संस्थान के शताब्दी वर्ष में दीक्षांत भाषण दे रहा हूं।

कांटम और साइबर टेक्नोलाजी पर काम हो

उन्होंने आगे कहा कि संस्थान को साइबर टेक्नोलॉजी और क्वांटम टेक्नोलॉजी पर भी अधिक काम करना चाहिए। यहा से निकलने वाले मेधावी अपनी क्षमता, रिसर्च और टेक्नोलॉजी का प्रयोग जब समाज और देश को आगे ले जाने में मदद करेंगे तभी उनकी योग्यता की असली उपयोगिता होगी।

तकनीकी उत्कृष्ठता की आवश्यकता

इस शताब्दी वर्ष में संस्थान को यह तय करना होगा कि उन्हें तकनीकी के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठता प्राप्त करनी है। वह चाहे अनुसंधान पार्क हो या सबसे ज्यादा पेपर प्रकाशित करना हो या पेटेंट कराना। हमें संस्थान की स्टार्ट अप संस्कृति को तेजी से आगे लाना होगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा तकनीकी आधारित उत्पाद बनाए जा सकें और मेक इन इंडिया का सपना पूरा किया जा सके।

विश्व स्तर के रिसर्च पेपर पब्लिस

स्टार्टअप कार्यक्रम में हम तकनीकी विकास से भी मदद करने में सक्षम हैं। संस्थान से जब विश्व स्तर के रिसर्च पेपर, आईपीआर निकलेंगे, विश्वस्तरीय स्टार्टअप निकलेंगे तभी देश का और समाज का भला होगा। मैं अनुरोध करता हू कि आईआईटी(बीएचयू) इस क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान करे जिससे हमें आयातित तकनीकी पर निर्भर न होना पड़े।

निदेशक प्रो.पीके जैन ने बतायी भावी योजना

दीक्षांत समारोह के आरंभ की घोषणा संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने की और संस्थान की उपलब्धियां बताते हुए गतिविधियों आख्या पढ़ी। इस मौके पर दीक्षांत के मुख्य अतिथि रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के चेयरमैन डा.जी सतीश रेड्डी ने मेधावियों को मेडल और उपाधि प्रदान की। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ महामना की प्रतिमा पर माल्यापर्ण और कुलगीत के साथ किया गया।

चार साल में देश में प्रतिभा पालायन रुकी

वाराणसी। देश में बीते चार वर्ष में प्रतिभा पालायन (ब्रेनड्रेन) रूका है। अब विदेशों को गए लोग भी वापस लौट रहे हैं। इनके पास पूंजी और टेक्नोलाजी भी है। ये लोग स्टार्टअप के तहत देश में बेहतर कार्य कर रहे हैं। हमारे सामने डिफेंस सेक्टर में काम करने के लिए नये मेटल, आधार और योजनओं की जरूरत है। जो आने वाले समय 2022 और उसके और बाद देश में डिफेंस सेक्टर की जरूरतों को पूरा करे। यह बातें चेयरमैन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा सेक्रेटरी डिपार्टमेंट आफ डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट और डायरेक्टर जनरल एरोनाटिकल डेवपलमेंट एजेंसी (एडीए) डा.जी सतीश रेड्डी ने कही। वह आईआईटी बीएचयू के शनिवार को होने वाले दीक्षांत कार्यक्रम के पूर्व स्वतंत्रता भवन मे आयोजित एक प्रेस कांफ्रेस में उपस्थित लोगों को रक्षा क्षेत्र की जरूरत और प्रतिभाओं के लिए सुनहरे अवसर की जानकार दे रहे थे। डिफेंस कारिडोर से युवाओं को सुनहरा अवसर मिलेगा।

डीआरडीओ और आईआईटी बीएचयू की तरह ही अन्य चार स्थानों पर एक्सीलेंस सेंटर बनाया गया है। उन्होने बताया कि अब डिफेंस अनुसंधान के लिए ढेरों रिसर्च अर्गनाईजेशन काम कर रहे हैं। यह बातें उन्होने डिफेंस सेक्टर में कार्य के लिए आगे आने वाले युवाओं के विदेश जाने के बारे में अवगत करा रहे थे। इस दौरान आईआईटी निदेशक प्रो.पीके जैन भी उपस्थित रहे।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा का आयोजन

वाराणसी। अस्सी स्थित मारवाड़ी सेवा संघ की ओर से संचालित नेत्र ज्योति चिकित्सालय एवं रिसर्च सेंटर के सचिव राजेश चूड़ीवाला ने बताया कि एक अक्टूबर से 31 मार्च तक निःशुल्क नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जा रहा है।